प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

महिलाएं तकनीकी ज्ञान का आपस में करे स्थान्तरण करें–डा. मनमोहन सिंह चौहान

महिला सशिक्तकरण विषय पर राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित एवं डा. एस.सी. त्रिपाठी प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष के मार्गदर्शन में संचालित पाँच–दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 09 से 13 सितम्बर 2022 तक पशुचिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में ग्राम सभा डोगरा भुजियाघाट, भीमताल ब्लाक, जिला नैनीताल क्षेत्र की 30 महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

पाँच दिवसीय प्रशिक्षण का समापन विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान द्वारा किया गया। डा. चौहान ने महिलाओं को उत्साहित करते हुए कहा कि छोटी– छोटी तकनीकें व्यवसाय में एक बड़ा बदलाव लाने में सक्षम होती हैं। महिलाओं ने दुग्ध से उत्पाद यथा श्रीखण्ड पनीर, लस्सी, छेना आदि का जो प्रशिक्षण प्राप्त किया है उसका व्यवसायिक दृष्टि से उत्पादन कर अपनी आमदनी को बढ़ाये। उन्होने कहा आज स्थानीय स्तर पर घर में बनी हुयी चीजों की मांग बहुत ज्यादा है। महिलाये इस अवसर का फायदा उठाये। डा. चौहान ने सुझाव दिया कि लस्सी के साथ मडुआ, झंगोरा, कोदो आदि स्थानीय फसलों का प्रयोग कर यदि उत्पाद तैयार किये जाये तो प्रोटीन के साथ–साथ आयरन एवं अन्य पोषक तत्वों की और अधिक उपलब्धता सुश्निचता होगी। इस अवसर पर कुलपति ने नैनादेवी स्वंय सहायता समूह की श्रीमती रितु बिष्ट को शाल भेंट कर सम्मानित किया। प्रशिक्षणार्थियों को अधिष्ठाता डा. एन. एस. जादों ने भी सम्बोधित किया।

तकनीकी सत्र में डेयरी उत्पादन में भविष्य की संभानाओं पर चर्चा करते हुए गुणवता युक्त आइसक्रीम, श्रीखण्ड बनाने, पनीर, कुल्फी, पेड़ा, दही एवं अन्य दुग्ध उत्पाद बनाने, दूध से क्रीम अलग करना, छेना, श्रीखण्ड, लस्सी, खोआ आदि का प्रायोगिक प्रशिक्षण डा. प्रभाकरन एवं डा. प्रणीता सिंह ने दिया जिसमें महिलाओं ने अत्यधिक रूचि ली एवं उनकी समस्यओं का समाधान किया। पशु पोषण वैज्ञानिक डा. बलवान सिंह ने पौष्टिक चारा फसलों के उत्पादन, प्रबन्धन, चारो का प्रसंस्करण, यूरिया–शीरा खनिज ब्लाक, सम्पूर्ण आहार ब्लाक निर्माण न्यूट्रासिटिकल्स एवं प्रोबाययोटिक्स के उपयोग के बारे में जानकारी देते हुए स्थानीय स्तर पर साइलेज बनाने की विधियों पर महिलाओं को प्रशिक्षित किया। इसके साथ– साथ पशुओं की प्रमुख बीमारियों की रोकथाम एवं निदान, गााभिन एवं ब्याने के बाद डेयरी पशुओं एवं नवजात गो वत्सों के प्रबन्धन, दूग्ध उत्पादों की मांग आपूर्ति प्रबन्धन, पशुपालको के लिए सरकार की विभिन्न कार्ययोजनाये, उत्पाद क्रय–विक्रय की प्रक्रिया, डेयरी व्यवसाय में लागत नियंत्रण एवं लेखा प्रबन्धन प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा करके पशुपालकों जागरूक किया गया।

प्रशिक्षणार्थियों विशेषकर कुमारी रेनू सम्वाल, श्रीमती नीना देवी, हेमा बिष्ट ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन परियोजना समन्यवक डा. एस.सी. त्रिपाठी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डा. एस.पी. सिंह, सी.वी.सिंह, डा. राजीव रंजन कुमार, उपस्थित रहे।

समापन कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को पुरस्कृत करते कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान एवं अन्य।